स्थापित: 1978
RNI Regn.No.- 54447/78 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 51 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 25 मई 2026 एक प्रति 5 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

तिब्बत व्यापार के वो दिन और खाजा-खजूरे

श्रीमती पार्वती रावत-श्रीमती हेमा बृजवाल से बातचीज

1951 में अल्मोड़ा आकर प्रताप सिंह ने शुरु किया व्यापार और लगा दन-कालीन का उद्योग

तिब्बत के लिये जाने से पहले घरों में लिपाई-घिसाई कर गलीचे बिछाए जाते और पूरा गाँव जुटता था

कार्यालय प्रतिनिधि

भारत-चीन व्यापार की वर्तमान स्थितियां एकदम अलग हैं। इस बार लम्बे अन्तराल के बाद यह व्यापार होने वाला है, जो कोरोना कारणों से स्थगित था। इसकी तैयारी हो रही है। लेकिन हमारे सीमान्त क्षेत्र से इस व्यापार की असल परम्परा इतिहास और संस्कृति का आधार है। सीमान्त के व्यापारी अपने तिब्बत मित्रों के साथ किस प्रकार से व्यवहार रखते थे वह जानना बहुत शिक्षाप्रद है क्योंकि दुर्गम स्थानों पर प्रकृति के साथ सामंजस्य रखते हुए जो कुछ किया जाता था वह त्यौहार सा माहौल बन जाता था। ऐसी ही रोचक जानकारियों के लिये आज श्रीमती हेमा बृजवाल और श्रीमती पार्वती रावत से बातचीज प्रस्तुत है। हेमा बृजवाल और पार्वती रावत आपस में समधन हैं। इन दोनों को ही बचपन में वह अवसर देखने का सौभाग्य है जब इनके घरों से तिब्बत व्यापार के लिये जाते थे और सारे ग्रामवासी व्यापारियों को जाते समय विदाई करते और आने पर स्वागत। बताते हैं- रास्ते

शेष पृष्ठ 2 पर

यदि धर्म के संकुचित अर्थों में न बंधें तो पुराण, रामायण, महाभारत- सभी लोक कथाएं ही हैं, परन्तु अपने सशक्त कथानक के कारण इनका प्रचार-प्रसार देश-काल की सीमाओं को लांघता चला गया और इस क्रम में सैकड़ों हजारों वर्षों तक मौखिक संचरण के बाद ये कालान्तर में लिपिबद्ध हो गये। इस कॉलम में आज चौथी लोककथा प्रस्तुत है। -सम्पादक

राधे जब मरा, आपने लड़के शंकर के लिये बहुत बड़ी जायदाद छोड़ गया। सैकड़ों नाली तलाऊ जमीन, बाग बगीचे, गाय-बैल भैंस यह सब शंकर को विरासत में ही प्रज्ञत हो गये। उसने कभी घर या खेत के कार्य में कोई रुचि नहीं ली। इतना ही उसे मालूम था कि अनाज खेत में पैदा होता है, यह कि गाय भैंस से दूध दुहा जाता है और बैलों से खेत में जोते जाते हैं, पर उसे इस विषय का कोई ज्ञान नहीं था कि फसल लेने के लिये खेत में मेहनत करनी पड़ती है, गाय भैंस दूध तभी देंगे जब इन्हें चारा, पानी दिया जायेगा। बैल से खेत का काम लेने के लिये उसे अच्छा खिलाना पड़ता है। कुछ माह तक तो पिता की कमाई अन्न व धन दौलत पर ही वह गुलछर्रे उड़ाता रहा, पर असलियत का सामना भी उसे शीघ्र ही करना पड़ गया। जब घर में रखा अनाज समाप्त होने को आ गया, तब उसे ध्यान आया कि फसल बोई जाय। गाय-भैंसों को कई-कई महीनों से अच्छा चारा नसीब नहीं हुआ था, अत: उन्होंने दूध देना बन्द कर दिया था।

दूध दही बिना तो रहा जा सकता था, पर अन्न के बिना रहना कठिन था। इष्ट मित्रों व रिश्तेदारों ने उसे समझाया कि बिना परिश्रम किये कुछ होने वाला नहीं है, अत: वह धीरे-धीरे ही सही, पर परिश्रम करना सीखे। गाँव बिरादरी के लोगों के ताने भी उसे सुनने पड़ते। मेहनत व समृद्धि की जब भी बात आती, लोग उसके पिता राधे को याद करते। कुछ तो लोगों की सलाह, कुछ लोगों के ताने, व सबसे ऊपर, धीरे-धीरे उसके ऊपर हो रहे विपन्नता के वास ने, उसे खेत पर काम करने के लिये मजबूर कर दिया। एक दिन वह हल-बैल लेकर खेत में पहुँचा, पर देखता क्या है कि हल का हत्था दीमक खा गई है, बरसात में खुले में पड़े रहने के कारण फाल खराब हो गई है और जुआ टूट पड़ा है। उसने किसी तरह इनकी मरम्मत करवाई और खेत जोतने लगा, पर बैल एक इन्च भी आगे नहीं सरक रहे थे, सरकते भी कैसे? उनके वदन पर माँस रह ही कहाँ गया था? वह मात्र हड्डी के ढाँचे रह गये थे। हल खींचने के लिये शक्ति चाहिये और शक्ति उनके उनके शरीर में बिल्कुल नहीं थी। वह बैलों को बेतहाशा पीटने लगा। उनके लिये आगे खिसकना तो सम्भव नहीं था, पर वह ज्यों-ज्यों डण्डे बरसाता, बैल पीछे की ओर सरकते, क्योंकि पीछे की ओर चलना अधिक आसान था। ज्यों ही वह निर्दयता से बैलों को पीट रहा था, वहाँ से एक महात्मा गुजरे। बैलों की यह दुर्गति देख कर उनके कदम एकदम रुक गये। महात्मा ने विनम्र स्वर में उससे पूछा- 'आपके कि बाप के?' 'बाप के' संक्षिप्त उत्तर मिला। 'तभी तो'- कहते हुए वे आगे बढ़ गये। शंकर ने उनके इन शब्दों की उपेक्षा कर दी व अपने काम में जुट गया।

शंकर इन्हीं बैलों से थोड़ा-थोड़ा करके काम चलाता रहा, अत: उसके

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

विद्यालयों को केवल निशाना न बनाया जाए

अभी एक समाचार बागेश्वर से मिला कि जिले के विद्यालयों में पढ़ाई के साथ वाद्ययन्त्रों का ज्ञान भी दिया जाएगा। जिले के बारह चयनित विद्यालयों में लोकधुन कार्यक्रम क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय लोक वाद्य यन्त्रों से परिचित करना, उनकी सांस्कृतिक समझ बढ़ाना तथा पारम्परिक धरोहर का संरक्षण और संवर्धन करना है। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक चयनित विद्यालय को लोक वाद्य यन्त्रों की खरीद के लिये पचास हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। विद्यालय प्रबन्धन समिति की देखरेख में पारदर्शी ढंग से वाद्ययन्त्र खरीदे जाएंगे। संस्कृति विभाग में पंजीकृत कलाकार प्रशिक्षण देंगे।

सुनने और समझने में यह स्कीम बहुत भली लग रही है कि बच्चे अपनी संस्कृति से जुड़ेंगे। सवाल उठता है कि लोक व्यवस्था में क्या हम अपने बच्चों को यह भी नहीं बता पाए हैं कि उनकी संस्कृति क्या है, उनके लोक वाद्ययन्त्र क्या हैं? अपनी पढ़ाई के अलावा क्या इस प्रकार के ज्ञान अर्जन की बातों से वाकेई लाभ होगा? दरअसल उत्तराखण्ड की शिक्षा व्यवस्था में लगातार प्रयोग हो रहे हैं और लगता है कि तमाम योजनाओं के लिये विद्यालयों को चुना गया है। खेल, संगीत, कम्प्यूटर सहित कई ऐसे फार्मूले आए दिन सुनने को मिलते हैं जिन्हें सुनकर लगता है हमारे बच्चों को बहुत लाभ होने जा रहा है परन्तु इनकी सच्चाई परखनी होगी। विद्यालयों को केवल निशाना न बनाया जाए। मिलने वाले आदेशों के तहत स्कूलों में सामग्री खरीद ली जाती है या खरीदकर इन्हें सौंप दी जाती है और फिर इसकी सच्चाई कुछ और ही दिखाई देती है। कुछ दिन फोटोग्राफी के बाद समान समेट लिया जाता है। इस प्रकार के निशानों के कारण ही मोहभंग की स्थिति होती जा रही है। हालात यह हैं कि कई प्रकार के प्रयोगों के बीच भी उच्चशिक्षा में पहुंचते हुए विद्यार्थियों की संख्या कम होती जा रही है। रील बनाने, दिनभर थिरकते रहने, दिखावे के आयोजनों से घिर रहे समाज में किस शिक्षा की गारन्टी होगी?

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अमेरिका में विदेशी छात्र रडार पर

वाशिंगटन। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंस (आईसीई) ने कहा कि उसने कई भारतीय छात्रों समेत दस हजार विदेशी छात्रों की पहचान की है जिन पर अपने वीजा के वैकल्पिक प्रशिक्षण (ओपीटी) प्रावधान का दुरुपयोग कर संदिग्ध नियोक्ताओं के लिए काम करने का आरोप है।

घर में दीपक जलाना भी पर्याप्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिन्दुत्व जीवनशैली है और किसी हिन्दू को हिन्दू मन्दिर जाना या कोई अनुष्ठान करना अनिवार्य नहीं है, यहाँ तक कि अपने घर के अन्दर दीपक जलाना भी आस्था को साबित करने लिये पर्याप्त है। सीजेआई सूर्यकान्त की अध्यक्षता वाली नौ न्यायधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी केरल के सबरीमाला मन्दिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और दाऊदी बोहरा समुदाय सहित कई धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से सम्बन्धित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान की।

भारत के साथ सभी समझौते निभाएगा रूस

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि रूस अनुचित प्रतिस्पर्द्धा के बावजूद भारत के साथ ऊर्जा आपूर्ति सम्बन्धी समझौतों को पूरा करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच सम्बन्ध मित्रता पर आधारित हैं और ऐसी कोई स्थिति पैदा होने की सम्भावना नहीं है जिससे उनके रास्ते अलग हो जाएं।

कोरोना : आधिकारिक से तीन गुना ज्यादा

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कहा है कि कोविट-19 महामारी से दुनिया भर में मौतों की वास्तविक संख्या 2.2 करोड़ से अधिक पहुंच गई है, जो आधिकारिक तौर पर दर्ज 70 लाख मौतों से करीब तीन गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा है थक यह निष्कर्ष न केवल वायरस से सीधे हुई मौतों की कम रिपोर्टिंग को दर्शाता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान, आर्थिक चुनौतियों और अन्य सामाजिक कारणों से हुई अप्रत्यक्ष मौतों को भी उजागर करता है।

नौसेना के मिर्ग-29 का स्वदेशीकरण

नासिक। भारतीय वायुसेना के नासिक स्थित बेस रिपेयर डिपो ने आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारतीय नौसेना के मिग-29 के लड़ाकू विमान की पहली इजेक्शन सीट का स्वदेशी नवीनीकरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

फसक

दाज्यू, मचलने और कुचलने वाले कम नहीं ठैरे

समझने और समझाने की सारी सीमाएं पार हो चुकी हैं बल

दाज्यू, हमारे शहर में हर तीसरे दिन जुलूस और जलसा होने लगा है। सिर में पग्गड़ हाथ में लक्कड़ पकड़े बीरु और गफलत सिंह की फोटो भी होर्डिंग में तनातन दिखाई दे रही है। दाज्यू, अब समझने और समझाने की सारी सीमाएं पार हो चुकी हैं। कब कौन सा त्यौहार होगा यह सब इन्हीं को सौंप दिया है क्योंकि मचलने और कुचलने वाले कम नहीं ठैरे। गदरपुर में दरोगा को कुचलने का प्रयास भी हुआ है। साइबर ठगी के मामले में हरियाणा पुलिस ने उदयनगर में दबिश दी थी, आरोपी ने कार चढ़ा दी बल। ऐसी अला-बला देख कलेजा फटने लगता है। दाज्यू, नीट परीक्षा के पेपर लीक का हल्ला ही मच गया। आखिर क्या जो हो रहा होगा ऐसा जैसा। हमें तो पनीर में भी कचार जैसा लग रहा है। पानीपत की लड़ाई कब हुई हम क्या बताएंगे। सामने सवालों का अम्बार है।

दाज्यू, मचलने वाले मचलते रहे कोई दिक्कत नहीं लेकिन कुचलने तो सरासर अन्याय हुआ। हल्द्वानी में डीजे चलाने वाले दो भाईयों को पानी पीने पर पीट दिया बल। गौलापार में एक शादी के समय पानी पीने पर अधमर कर दिया। आरोप है जाति सूचक शब्द कहते हुए हमला किया था। विज्ञान के युग में समाज कितना सड़ चुका है पता नहीं। रुड़की आईआईटी से तीन दिन से गायब पीएचडी छात्र मोहित का शव गंगनहर में मिला। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

दुख-दरिद्र तो लगा ठैरा, हमें तो काबीना मंत्री गणेश दा जोश देखकर रंगत आने लगी है। देहरादून में आपरेशन सिन्दूर पर हुए कार्यक्रम से स्कूटर चलाकर अपनी वापसी कही। कह रहे हैं- 'प्रधान मंत्री मोदी की अपील पर ईंधन बचाने का सन्देश देने के लिए यह कदम उठाया है।' दाज्यू, गणेश जोशी की बात से प्रभावित होकर हमने भी भवाली कैंची मन्दिर वाले रास्ते में पैदल चलने की अपील की है। कई किलोमीटर तक गाड़ियों की धक्कापेल में यात्रियों का कचार हो जा रहा है। दाज्जू, नैनीताल की कोतवाली के कोतवाल ने तनाव के चलते अपने को कमरे में बन्द कर लिया था, उन्हें दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला गया। अब हो भी क्या सकता है सिवा चर्चा के। उधर रुद्रपुर में भाजपा विधायक के करीबी नेता पर अवैध वसूली का मुकदमा दर्ज हो गया। डम्पर स्वामी का कहा है कि मोर्चा का नेता रेता-बजरी ढुलाई के नाम पर प्रतिमाह 70 हजार रुपये वसूल रहा है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

तिब्बत व्यापर के.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

के लिये भरपूर खाजा-खजूरे बनाये जाते थे। बातचीज का सिललिसा चलता रहे इससे सबसे पहले हेमा बृजवाल जी के बारे में बताते हैं। दरकोट में पिता जीवन सिंह सयाना माता श्रीमती खिमुली देवी के घर इनका जन्म हुआ। तल्ला दुम्मर बृजवाल परिवार में इनका विवाह हुआ। स्व. प्रताप सिंह बृजवाल के सुपुत्र थे स्व. जसवन्त सिंह जी। हेमा देवी का विवाह जसवन्त सिंह जी के साथ हुआ। इनकी अगली पीढ़ी में स्व. केदार सिंह, मनोहर सिंह, प्रेम सिंह, वीरेन्द्र सिंह और अंजू (पांगती) हैं। तिब्बत व्यापारी परम्परा में प्रत्येक परिवार से कोई न कोई जाता था जब 12 साल की उम्र में जसवन्त सिंह जी भी अपने परिवार से व्यापार में गये।

हेमा देवी का बचपन दरकोट, मल्ला दुम्मर में बीता। इनके बचपन की सखियों में रुकमणि देवी, पानुली देवी, हरकी देवी रहे हैं। अपने मायके में व्यापार की जिस परम्परा को इन्होंने देखा वही सब ससुराल में भी था। विवाह के बाद एक वर्ष तक यह मल्ला दुम्मर रहीं और फिर पति संग अल्मोड़ा आ गई। 1951 में जसवन्त सिंह बृजवाल ने यहाँ कारपेट एण्ड जनरल स्टोर खोला। थोक का व्यापार बेहतर चल निकला क्योंकि बृजवाल दम्पत्ति अथाह मेहनती थे। पहले यह गंगोला मोहल्ले में रहते थे, बाद में धार की तूनी शैल गाँव में अपना मकान बना लिया। हेमा बृजवाल अपनी ऊनी कारोबार की परम्परा को अल्मोड़ा में भी बनाए हुए थीं और इन्होंने एक सेन्टर चलाया जिसमें दन गलीचे, पंखी, पसमीना बनाया जाता था। बकायदा बालिकाओं को इसकी ट्रेनिंग दी जाती थी। सेन्टर चलाने के लिये शुरू में लखनऊ से सरकारी इन्तजाम भी हुए जो साल तक थे, इसके बाद अपने आप से आठ वर्ष तक इस सेन्टर को इन्होंने चलाया। सेन्टर में बनने वाले विभिन्न आकार के गलीजे व ऊनी सामग्री को लेने लोग इनके पास आने लगे थे। इसके अलावा उत्तरायणी मेले में बागेश्वर और व्यापारिक मेले जौलजीवी में तक यहाँ से सामान जाता था।

अब श्रीमती पार्वती रावत जी के बारे में बताते हैं। इनके बूबू प्रेम सिंह जंगपांगी और पिता मेघ सिंह जी हुए। थल, मल्ला दुम्मर और बुर्फू तक माइग्रेशन परम्परा में परिवार की घुमन्तु व्यवस्था थी। साथ ही तिब्बत व्यापार का कारोबार। पार्वती देवी की शिक्षा माइग्रेशन स्कूलों की उस परम्परा में हुई है। तिकसैन मुनस्यारी में रहते हुए नमजला जाकर उन्होंने पढ़ाई की। वह बताती हैं गुरुजन अपने शिष्यों के लिये बहुत मेहनत करते थे। बच्चों द्वारा भी अपने गुरुजनों के लिये बहुत आदर था और बारी-बारी से खाद्य सामग्री, आटा-गुड़-घी, चूल्हा जलाने को लकड़ी उन्हें देते थे। ऐसे में शिक्षकों को माइग्रेशन जैसी शिक्षा व्यवस्था भी नहीं अखरती और वह चित्त लगाकर मेहनत करते थे।

कुशाग्र बुद्धि की पार्वती देवी शिक्षा के बाद शिक्षा विभाग में ही नौकरी करने लगी। नौकरी में वह अल्मोड़ा से धारचूला भी गईं लेकिन विवाह के बाद नौकरी छोड़ दी और एनटीडी, अल्मोड़ा अपने ससुराल में हैं। किशन सिंह रावत परिवार से इनका सम्बन्ध है। किशन सिंह जी के सुपुत्रों में विंग कमाण्डर (नौसेना) ज्योति सिंह, कर्नल रणजीत सिंह, कर्नल (थल सेना) खुशाल सिंह, विंग कमाण्डर (वायु सेना) प्रतिमन सिंह हैं।

खुशाल सिंह की सुपुत्री हुईं स्व. प्रोमिला देवी इनकी अगली पीढ़ी में नेहा बृजवाल जो दिल्ली में पीएनबी में मैनेजर हैं। इस पारिवारिक ताने-बाने के बीच पार्वती रावत अपने बचपन को याद करते हुए बताती हैं- तिब्बत यात्रा पर जाने वालों के लिये खाजा-खजूरे, सत्तू तैयार कर रखते थे। एक दिन पहले आसपास सारे लोगों को बुलाकर आयोजन होता था। आलू-पूरी ज्या जैसे व्यंजनों के साथ सब बैठक करते। ढोल वादक भी बुलाए जाते थे। रात्रि के इस आयोजन के बाद अगले दिन जब तिब्बत यात्रा पर व्यापारी निकलते तो उन्हें छोड़ने के लिये दूर तक जाते। जब व्यापार करके हूणदेश से लोग वापस आते थे तो तब भी घर लीपघीस कर खूब सजाया जाता था। व्यापारियों के आने का स्वागत किया जाता था। बचपन की यादगार बातों में वह बताती हैं- बूबू और पिता जी जब तिब्बत व्यापार से लौटकर आते थे तो अपने साथ लाए सामान को देखते और सबको दिखाते। इसके अलावा एक कमरे में पैसों का हिसाब जोड़ते, तब बच्चों को वहाँ से हटा देते लेकिन हम छोटे बच्चे दीवारों के औने-कौने से देखते क्या हो रहा है। उस कमरे में चाँदी के सिक्कों के ढेरों को अलग-अलग कर लगाते हुए गिनती होती थी। एकआना, दोआना से लेकर अलग-अलग चाँदी के सिक्कों के ढेर बच्चों के लिये कौतूहल था, जो कि व्यापारियों ने दुर्गम यात्रा करते हुए जान जोखिम में डालकर अपने व्यापार में जुटाए थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आन्दोलन

कर्णप्रयाग में आपदा प्रभावितों ने खोला मोर्चा

ललित नैनवाल

कर्णप्रयाग। बहुगुणा नगर एवं सुभाष नगर के आपदा प्रभावितो का धरना प्रदर्शन जारी है। अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल चुके लोगों ने उपजिलाधिकारी अलकेश नोडियाल के साथ वार्ता की। तहसील परिसर में एसडीएम ने आपदा प्रवावितों के साथ लम्बी वार्ता की लेकिन वार्ता विफल रही। आपदा प्रभावितों ने शासन प्रशासन की हिला हवाली से नाराज होकर भूख हड़ताल का ऐलान किया। असल में आपदा प्रवावित अपने भवनों के मुवावजा के लिये बीते चार वर्षों से शासन प्रशासन से पत्रचार कर रहे हैं।

शासन प्रशासन लगातार आपदा प्रवावितो के बीच जाकर आश्वासन देते रहे लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नही होने से आपदा प्रवावित अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। विगत चार वर्षों से जीवन यापन कर रहे प्रवावितों को अपने घरों के आड़े तिरछे दरवाजे एवं खुली खिड़कियों तेज धूप के साथ सर्दियों की ठण्ड के बाद अब बरसात का डर सता रहा है। उपजिलाधिकारी के साथ वार्ता में आईटीआई वार्ड की सभासद कमला रतूड़ी, सभासद रीना रावत, पूर्व सभासद हरेन्द्र बिष्ट, पुष्कर रावत, सुभाष चमोली, संजय नौटियाल, महेश खण्डूरी मौजूद रहे।

सड़क निर्माण

राज्यमंत्री को पत्र, मल्ला जोहार में ध्यान दें

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने राष्टीय राजमार्ग एवं परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा को पत्र भेजकर मल्ला जोहार के हालातों पर ध्यान देने को कहा है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने वाइब्रेंट विलेज के अन्तर्गत पीएमजीएस वाई मोटर सड़क के निर्माण सम्बन्धी मामलों को उठाते हुए कहा है सामरिक दृष्टि के इन ग्रामों की सड़कों का विकास समय से होना चाहिये।

राज्यमंत्री को पत्र भेजते हुए कहा है कि बुर्फू से गनघर मापा पांछू गाँव को सम्पर्क स्थापित करने हेतु डामरीकरण, पुल निर्माण जरूरी है जो करीब 6 किमी है। इसी प्रकार मर्तोली से टोला गाँव में डामरीकरण, पुल निर्माण होना जरूरी है। श्री धर्मशक्तू ने पत्र में बताया है कि अभी तक ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने से भी कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि कार्य हेतु धनराशि स्वीकृत की जाए ताकि मोटर सड़क निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो। इन मोटर सड़कों के निर्माण से सीमान्त क्षेत्र का विकास के साथ-साथ पर्यटकों व सीमा सुरक्षा में लगे जवानों, माइग्रेशन परिवार के लोगों को यातायात सुविधा मिलेगी। मूलभूत सुविधा होने से ही हमारे दूरस्थ ग्रामों तक लोग अपने मूल को लौटेंगे और अपने पुस्तैनी मकानों की मरम्मत कर विकास में योगदान देंगे।

मेरा केवाईसी एप

घर बैठे होगी राशन कार्ड की केवाईसी

हल्द्वानी। शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के लिये सभी राशन कार्ड धारकों को ई-केआईसी अनिवार्य कर दिया है। अब उपभोक्ता 'मेरा केवाईसी एप' के द्वारा घर बैठे आसानी ने इसे भर सकते हैं। जिला पूर्ति विभाग ने कहा है कि राशन कार्ड में दर्ज प्रत्येक सदस्य का अलग अलग सत्यापन कराया जाना जरूरी होगा। जिन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी पूरी नहीं होगी, उनके राशन कार्ड भविष्य में निष्क्रिय या निरस्त किये जा सकते हैं।

जिला पूर्ति विभाग के अनुसार केन्द्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश भर में शत प्रतिशत ई-केवाईसी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी लाभार्थियों का आधार आधारित सत्यापन कराया जा रहा है ताकि अपात्र लोगों को सूची से हटाया जा सके और पात्र लोगों को बिना बाधा राशन मिलता रहे। बताया है कि अब मोबाइल एप के माध्यम से यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है और लोगों को बार-बार राशन की दुकान या कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। ई-केवाईसी के लिये सम्बन्धित व्यक्ति का आधार नम्बर होना अनिवार्य है। सत्यापन के दौरान मोबाइल पर ओटीपी भेजा जाएगा, जिसके बाद फेस ऑथेंटिकेशन के द्वारा पहचान सुनिश्चित की जाएगी। जिन लोगों को ऑनलाइन प्रक्रिया में परेशानी हो रही है, वे अपने निकट के जनसेवा केन्द्र या राशन विक्रेता के पास यह करवा सकते हैं।

दुष्कर्म प्रकरण

षड़यन्त्र करने पर अन्दर, महिला मंच भी जुटा

चम्पावत। 16 वर्षीय बालिका से सामुहिक दुष्कर्म की साजिश रचने के मामले में चम्पावत पुलिस ने षड्यन्त्रकारियों को अन्दर किया है लेकिन उत्तराखण्ड महिला मंच इस मामले को लेकर मैदान में कूद पड़ी है और सवाल उठाए हैं।

बताते चलें कि एक बालिका के साथ सामुहिक दुष्कर्म का हल्ला मचा। जिसमें भाजपा से जुड़े युवा नेता का नाम लिया गया और पीड़िता की ओर से भी पूर्व में भाजपा से जुड़ा नेता खूब आगे था। पुलिस पड़ताल में कहा गया कि आपसी खुन्दक के लिये प्रपंच रचा गया। इस बीच कांग्रेस सहित लोगों ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। पुलिस के बयान के बाद प्रदर्शन कम हो गये लेकिन राजनीति का पारा बना हुआ है।

उत्तराखण्ड महिला मंच की टीम ने चम्पावत आकर प्रशासनिक व अन्य लोगों से पूछताछ करते हुए मीडिया से बातचीत की और कहा कि कथित दुष्कर्म के मामले में कई एफआइआर सन्देह पैदा करती हैं। मंच की सदस्य कमला पन्त ने कहा कि चम्पावत की घटना को लेकर कई लोगों के फोन आ चुके हैं। बताया कि वर्तमान में टीम अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर भी जांच कर रही है। कहा कि कई लोंगों के फोन आने पर वह आए हैं और पता चल रहा है कि पावरफुल लोग इस घटना में शामिल हो चुके हैं।

ज्योतिष की बातें

29 मई 2026 को बुध स्वराशि मिथुन में प्रवेश करेगा अतः बुध अत्यन्त बली रहेगा। चन्द्रेश्वरकृत फलदीपिका के अनुसार बुध दूसरे, चौथे, छठवें, आठवें, दसवें व ग्यारहवें स्थान पर शुभ होता है। अतः अगले 24 दिन बुध वाणिज्य, व्यवसाय, बुद्धि, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में वृषभ, मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या व सिंह राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशि वालों के लिए भी बुध सामान्य शुभ रहेगा।

गंगा दशहरा- सूर्य के वृषभ राशि में रहते हुए ज्येष्ठ शुक्ल दशमी पूर्वाह्न व्यापिनी तिथि में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। अतः सोमवार 25 मई 2026 को माँ गंगा की पूजा अर्चना की जाएगी।

यहाँ पर किसी भी ग्रह का सामान्य गोचरफल प्रस्तुत किया जाता है। व्यक्तिविशेष के लिए उसका फलित जन्म कुण्डली, दशान्तर्दशा आदि पर निर्भर करता है। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार

मुस्लिम बहिष्कार का नाटक

हिन्दुओं ने नाई का काम छोड़ दिया तो उसे मुसलमानों ने अपना लिया। हिन्दुओं ने कपड़े सिलने का काम छोड़ दिया तो वह मुसलमानों ने अपना लिया। हिन्दुओं ने चूड़ी बिन्दी आदि कॉस्मेटिक्स बेचने का काम छोड़ दिया तो उसको भी मुसलमानों ने अपना लिया। मोटर मैकेनिक का कार्य अब हिन्दू नहीं करते हैं, मुसलमान ही करते हैं। राज-मिस्त्री का काम भी मुसलमानों ने अपना लिया है। अब मजदूरी के लिए भी हिन्दू मिलना मुश्किल हो गए हैं। पण्डिताई का काम भी अब ब्राह्मण छोड़ते जा रहे हैं, कहीं ऐसा न हो कि विवाह आदि संस्कार भी मुसलमानों को कराने पड़ें। हिन्दू वास्तव में स्वयं ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है और गाली दूसरों को देता है।

राजनैतिक विद्वेष के कारण राजनैतिक हिन्दुओं में प्रायः मुसलमानों के बहिष्कार की बात उठती रहती है। मैं उन लोगों से यह पूछता हूँ कि यदि पूर्णतः बहिष्कार कर दिया तो हिन्दुओं का काम कैसे चलेगा? क्योंकि नाई, टेलर, मैकेनिक, पेंटर, मजदूर आदि तो हिन्दुओं में मिलेंगे ही नहीं। जबकि मुसलमानों में दर्जी, नाई, मैकेनिक, पंचर जोड़ने वाले, मजदूर, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, अधिकारी, व्यवसायी, उद्योगपति आदि सभी मिल जाएंगे। उनका तो दैनिक व्यवहार व्यवस्थित चलता रहेगा। हिन्दुओं का दैनिक व्यवहार चलना कठिन हो जाएगा। ये नेता लोग देश में तो बहिष्कार की बात करते हैं लेकिन दुनिया भर के मुसलमानों के साथ व्यापार, साथ में उठना-बैठना, गले मिलना, भोजन करना आदि हर प्रकार का व्यवहार करते रहते हैं।

मेरे विचार से मुसलमान के प्रति हिन्दुओं में जो विद्वेष घोला जाता है और जो बहिष्कार की बात बार-बार की जाती है वह वास्तव में नेताओं का वोट बटोरने के लिए धूर्तनीति ही है। ऐसे नेताओं से सतर्क रहना चाहिए ।

-ओंकार नाथ कोष्टा

प्रोजेक्ट

नीलकण्ठ तक बनेगा देश का पहला ग्रीन रोपवे

ऋषिकेश। योगनगरी के रूप में विख्यात ऋषिकेश से नीलकण्ठ महादेव मन्दिर तक बनने वाला रोपवे प्रोजेक्ट देश का पहला ग्रीन रोपवे होगा। यह केवल श्रद्धालुओं की सुविधा तक सीमित न होकर वन्यजीव संरक्षण का माडल रूप में विकसित होगा। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने परियोजना को मंजूरी देते हुए यह भी साफ कहा है कि रोपवे निर्माण से वन्य जीवों की प्राकृतिक आवाजाही प्रभावित नहीं होनी चाहिए। राज्य सरकार दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर नीलकण्ठ महादेव रोपवे प्रोजेक्ट में विशेष वन्यजीव करिडोर विकसित करेगी जिससे रोपवे के नीचे से वन्यजीव अपने पारम्परिक मार्गों से गुजर सकें।

प्रस्वात

गोलज्यू देवता कॉरिडोर

चम्पावत। जिला मुख्यालय में बहुप्रतीक्षित गोलज्यू कॉरिडोर के निर्माण की राह और आसान हुई है। इसके लिये तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है। शासन स्तर पर अग्रिम कार्रवाई गतिमान है।

बताते चलें कि पूर्व में शासन ने परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों के लिए 11722 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी थी। लोनिवि कार्यदायी संस्था है। परियोजना की अनुमानित लागत 570 करोड़ रुपये है। 12 मीटर चौड़ी रोड कॉरिडोर को जाने के लिये बनेगी। इसे पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र के रूप में विकसित करेंगे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मासी का सोमनाथ मेला झूमे ग्रामवासी

द्वाराहाट। मासी कस्बे में सोमनाथ मेले में ग्रामवासी जमकर झूमे। नगाड़े-निशानों के साथ रामगंगा नदी में पत्थर फेंकने की रस्म के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। मेले में परम्परागत तरीके से कनौणी आल के थोक से जुड़े ग्रामीणों ने रामगंगा के पश्चिम छोर से नदी में पत्थर फेंकने की रस्म आद की। मासीवाल आल ने पूर्वी छोर से इसी परम्परा को दोहराया।

देवीधुरा नगर पंचायत बनेगा

चम्पावत। देवीधुरा को नगर पंचायत बनाने की तैयारी है। व्यापार मण्डल और स्थानीय लोगों की मांग पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि मानकों के अनुरूप क्षेत्र का परीक्षण कर आवश्यक संस्तुति रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शहरी विकास निदेशालय ने डीएम से विस्तृत आख्या और तकनीकी प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा है।

टनकपुर में बाईपास रोड बनाने की मांग

टनकपुर। एनएच-9 के चौड़ीकरण से प्रभावित लोग बाइपास सड़क निर्माण की मांग करने लगे हैं। सीएम को सम्बोधित ज्ञापन में मांग की है कि सड़क चौड़ीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण होने से चिन्ता होने लगी है। कृषि भूमि, आवास, व्यवसास सुरक्षित करने के लिये विचार किया जाए।

पर्यावरण संरक्षण की शपथ

डीडीहाट। पर्यटक आवास गृह डीडीहाट में उत्तराखण्ड टूर एण्ड ट्रेवल्स संस्था की ओर से कैलास यात्रा पर जा रहे यात्री दल को पौधरोपण अभियान में पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। यूकेडी नेता दिनेश गुरुरानी ने हिमालय बचाओ अभियान के तहत यात्रियों को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पालीथिन, प्लास्टिक तथा पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली सामग्री का उपयोग न करने की शपथ दिखाई।

प्रकाश जंगपांगी अब यादों में

हल्द्वानी। चम्पावत के जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश सिंह जंगपांगी का 16 मई 2026 को लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से उनके गृहक्षेत्र डीडीहाट, मुनस्यारी, हल्द्वानी में शोक की लहर है।

पिघलता हिमालय परिवार के लिये यह आघात है। स्व. दुर्गासिंह मर्तोलिया की सुपुत्री श्रीमती गीता जंगपांगी के पति प्रकाश जी अपनी राजकीय सेवा के अलावा मिलनसार व सामाजिक कार्यों में अभिरुचि रखने वाले थे। उनका व्यवहार व आचरण विभाग व समाज को सीख देने वाला था। पिघलता हिमालय परिवार स्व.प्रकाश जंगपांगी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

परिक्रमा

फचैऽक

ममता खुद चुनाव हारि पड़ी, पार्टीक भली कैं सफाया हैरै पैंल बार कमलक फूल वां, कच्यार पन भलौ भल फौरै रौ कच्यार पन भलौ भल फौरै रौ, सब कौनी सुशासन आल जै सिरी राम्क नार् लगै बेर, तरक्की भौत करल बंगाल पन्नर साल राज कर ओंखिर, मतगणना दिन वां रड़ि पड़ी तृणमूल कांग्रेस कांही जालि, ममता खुद चुनाव हारि पड़ी।

गणेश पाण्डेय

कैलास यात्रा से मुग्ध हैं श्रद्धालु

धारचूला। आदि कैलास यात्रा से श्रद्धालु मुग्ध हैं और यात्रा के पड़ावों पर चहल पहल है। इस बार तहसीलदार दमन शेखर राणा, सीओ कुंवर सहि रावत और यात्राधिकारी धन सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से यात्रियों को हरी झण्डी दिखाकर पहले दल के रूप में रवाना किया। उसके बाद से यात्रा का नियमित सिलसिला जारी है। अभी तक 5 हजार से ज्यादा पास जारी होने से लग रहा है कि बड़ी संख्या में लोगों की आवत होगी। आदि कैलास और ओम पर्वत दर्शन के लिये आ रहे लोगों से पर्यटन कारोबार में बढ़ोत्तरी है। यात्रा मार्ग पर संचालित होटल ढाबों सहित वाहन संचालन में लगे कारोबारियों को शुभ अवसर है। यात्रा मार्ग में जौलजीवी से लेकर ही लगातार चहल पहल दिख रही है।

एयरपोर्ट विस्तार में बाधक भवन हटाएं

पन्तनगर। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने कैम्प कार्यालय में पन्तनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण की समीक्षा की। डीएम ने साफ कहा कि एयरपोर्ट विस्तार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। विस्तार में बाधक भवनों को शीघ्र हटाया जाए।

डीएम ने अधिकारियों से कहा कि अभी भी जिन वृक्षों का कटान होना है, संयुक्त रूप से निरीक्षण कर डीमार्केशन करते हुए शीघ्र पेड़ कटवाएं। साथ ही जो भी एयरपोट विस्तारीकरण में भवन ध्वस्त होने हैं, उन्हें भी शीघ्र हटाया जाए। डीएम ने एनएचएआई के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सड़क शिफ्टिंग कार्यों की प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि यदि कहीं किसी प्रकार की कोई समस्या आती है तो तत्काल अवगत कराएं। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी, एसडीएम कौस्तुभ मिश्र, एसडीएम गौरव पाण्डेय, फार्म अधीक्षक बीपी श्रीवास्तव मौजूद थे।

वित्तीय अनियमितता का अन्देशा

चम्पावत। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा के दौरान जिला चिकित्सालय लोहाघाट में क्रय किए गए समस्त उपकरण, दवाएं आदि में वित्तीय अनियमितता का अन्देशा होने पर जिला अधिकारी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने कहा है कि चिकित्सालय में दवाएं, उपकरण सहित समस्त क्रय से सम्बन्धित वित्तीय अभिलेखों की जांच होगी। साथ ही कार्य में लापरवाही पर आशा समन्वयक तथा चारों विकास खण्डों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को समय पर उपचार, जांच एवं दवाइयां उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रसव पूर्व देखभाल पर विशेष ध्यान देने तथा गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में संस्थागत प्रसव में आशा कार्यकर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित करने, उनके मानदेय प्रोत्साहन राशि समय पर भुगतान को कहा।

गंगोलीहाट स्टेशन से बस संचालन हो

गंगोलीहाट। महाकाली मन्दिर भूमि के रूप में विख्यात गंगोलीहाट में लाखों खर्च कर बस स्टेशन तो बना दिया गया लेकिन बसों का संचालन न होना मुंह चिढ़ाना सा है। क्षेत्र के विभिन्न संगठनों ने सीएम को ज्ञापन भेजकर स्टेशन से सीधी बस सेवाएं शुरू करवाने की मांग की है। कहा है कि बस सेवा शुरू न होने से बाहर से आने वाले यात्रियों को दिक्कत हो रही है। कहा कि हाट कालिका मन्दिर, पाताल भुवनेश्वर गुफा मानसखण्ड मिशन माला में शामिल हैं लेकिन रोडवेज बस संचालन न होना दुखद है। यदि बसों का सही संचालन हो तो आवाजाही बढ़ेगी और पर्यटन व्यापार भी इजाफा होगा। कहा कि जिला मुख्यालय से भी कालिका मेल नाम से प्रतिदिन बस संचालित की जाए। ज्ञापन देने वालों में ब्लाक प्रमुख विनोद कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष विमल रावल, व्यापार संघ अध्यक्ष दिनेश खाती सहित अन्य थे।

'गीतांजलि' का निर्माण शुरू कराएं

नैनीताल। शान्ति निकेतन ट्रस्ट फॉर हिमालया के सदस्यों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक टैगोर टॉप में विश्वभारती विश्वविद्यालय के सैटैलाइट परिसर 'गीतांजलि' के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने की मांग की।

प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के स्पप्न 'शान्तिनिकेतन' की भावना को उत्तराखण्ड में साकार करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लगभग 45 एकड़ भूमि विश्वभारती विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई है लेकिन केन्द्र सरकार से अपेक्षित आर्थिक सहायता नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने राज्य सरकार से प्रारम्भिक आर्थिक अनुदान देने की मांग करते हुए टैगोर टॉप में योग केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। मिलने वालों में नवीन वर्मा, देवेन्द्र ढेला, प्रो. अतुल जोशी, कमल पाण्डे, देवेन्द्र बिष्ट, विष्णु सक्सेना उपस्थित थे। सीएम ने मामले में सकारात्मक आश्वासन दिया।

खेल विश्वविद्यालय को लेकर तैयारी

हल्द्वानी। अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में खेल विश्वविद्यालय को लेकर तैयारी है। माना जा रहा है इस बार जुलाई में कक्षाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिये मानसखण्ड स्थित बैडमिन्टन हॉल को अस्थायी क्लासरूम में बदला जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को खेल की शिक्षा दी जाएगी।

खेल विभाग की ओर से विश्वविद्यालय में शुरुआती चरण में बैचलर इन स्पोर्ट्स कोचिंग, बीएससी स्पोर्ट्स साइंस और बैचलर ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट जैसे कोर्स शुरू होंगे। इन पाठ्यक्रमों के द्वारा छात्र खेल प्रबन्धन, कोचिंग, फिटनेस, मीडिया और खेल विज्ञान जैसे क्षेत्रों में करियर बना सकेंगे। विश्वविद्यालय संचालन को लेकर प्रशासन और सम्बन्धित विभाग जुटे हुए हैं। खेल विश्वविद्यालय शुरू होने से स्थानीय स्तर पर इस प्रकार की शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इससे लोगों में उत्साह है।

चारधाम यात्रा जबर्दस्त भीड़

चमोली। प्रदेश में चारधाम यात्रा अवसर भीड़ के साथ चहल-पहल वाला बना हुआ है। जबर्दस्त भीड़ उमड़ने से सीजन के कारोबारी खुश हैं लेकिन यात्रियों के दबाव से सड़कों पर जाम भी उतना ही है। अभी तक करीब 6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चारधाम दर्शन किये हैं।

20 जून से होगी हाथियों की गणना

रामनगर। भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा प्रस्तावित हाथी गणना के तहत कार्बेट टाइगर रिजर्व सभागार में कुमाऊं जोन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक द्वारा बताया गया कि 20 जून से राज्य में हाथी गणना होगी। 30 जून तक वैज्ञानिक विधि से यह कार्य होंगे।

डीएसए पार्किंग का टेंडर 5.51 करोड़

नैनीताल। नगर पालिका नैनीताल में डीएसए पार्किंग की फाइनेंशियल ब्रिड खोली गई, जिसमें सबसे अधिक 5 करोड़ 51 लाख रुपये की बोली लगाने पर टेंडर नवीन अग्रवाल के नाम रहा। पालिका द्वारा पार्किंग का बेस अमाउंट 4 करोड़ 25 लाख रुपये निर्धारित किया गया था।

पुल टूटने से मल्ला जोहार में दिक्कत

मुनस्यारी। गर्मी के इन दिनों में प्रवासी उच्च हिमालयी क्षेत्र के अपने पैतृक ग्रामों में आते है। लेकिन पुल टूटने के कारण दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। एक साल पूर्व आपदा में मिलम के पास गोरीगंगा नदी में बना पुल टूट गया था, जिसका अभी तक निर्माण नहीं हो सका है। ऐसे में दस किमी अतिरिक्त फेरा लगाना पड़ रहा है।

सार्वजनिक नीलामी का बहिष्कार किया

रामनगर। उत्तराखण्ड वन विकास निगम के क्षेत्रीय प्रबन्धक मयंक शेखर झा पर मनमानी का आरोप लगाते हुए वन व्यवसायियों ने नीलामी का बहिष्कार किया। उनका कहना है कि चतुर्थ श्रेणी के प्रकाष्ठ का उच्चतम मूल्य मिलने के बावजूद लॉट को मंजूरी नहीं दी जा रही जिससे खुले में रखा प्रकाष्ठ खराब हो रहा है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बोना में गैलपातल की तैयारी पूर्ण

हल्द्वानी। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी गैलपातल यानी सघन वृक्षारोपण का आयोजन किया जा रहा है। सुदूर बोना में होने वाले आयोजन के लिये विधायक हरीश धामी सहित तमाम महानुभावों को निमन्त्रण पत्र दिया गया है। आयोजन को लेकर सोसाइटी के प्रमुख लोगों ने आयोजन स्थल का भ्रमण भी किया और सभी से इसमें सहयोगी बनने को कहा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आपके कि बाप....

प्रथम पृष्ठ का शेष

खेत में बहुत कम फसल पैदा होने लगी। पिता की छोड़ी गई सम्पदा धीरे धीरे समाप्त हो गई। एक आध साल के अन्दर ही उसके बैल भी मर गये। अब उसने खेत में खेती करना ही छोड़ दिया और दूसरों के खेत में मजदूरी करने लगा। दूसरे के वहाँ नौकरी करते हुये उसे इस बात का पता चला कि अपने व पराये काम में क्या अन्तर होता है। उसे खाने को सूखी रोटियाँ मिलती, जैसे कि वह बैलों को सूखा चारा ही देता था। उसकी इच्छा थी कि मजदूरी में जो मिले उसमें से कुछ बचाकर वह एक बार बैल खरीद कर स्वयं अपने खेत में काम करेगा परन्तु यह इतना आसान तो नहीं था। उसे अपने बच्चों का भरण पोषण भी इसी मजदूरी में से करना था। फिर भी वह चोट खा चुका था। उसके अन्दर एक बार फिर कुछ कर डालने की प्रबल इच्छा जोर मार रही थी। उसने नित्य नियम सा बना लिया कि आधे पेट खाकर भी कुछ न कुछ बचा लेगा। कई वर्षों तक बचत करने के बाद , उसके पास इतने पैसा तो इकट्ठा हो ही गया कि एक जोड़ी बैल खरीदे जा सकें। उसने एक जोड़ी बैल खरीद लिये। जिस पैसे से उसने बैल खरीदे वह उसकी कड़ी मेहनत व अदम्य संयम से बचाये गये पैसे थे। बैलें की जोड़ी लेकर घर आते ही वह उनकी सेवा में जी जान से जुट गया। उनके चारे पानी की अच्छी से अच्छी व्यवस्था उसने कर दी। इसका परिणाम भी शीघ्र ही सामने आ गया। हृष्टपुष्ट बैल धरती को चीरते हुए ऐसे आगे बढ़ते जैसे सूखे आटे में उंगली सरकाई जा रही हो।

एक दिन वह बैलों को लेकर खेत में गया। कुछ देर जुताई करने के बाद उसने बैलों को खोल दिया क्योंकि धूप अधिक बढ़ने लगी थी। उन्हें एक पेड़ की छाया के नीचे खड़ा करके उन्हें हरा चारा दे दिया और बड़े प्रेम से उनके वदन पर हाथ फेरने लगा। ठीक उसी समय वहाँ से वही महात्मा गुजरे जो वर्षों पहले उसे मिले थे। इस बार उसे बड़े प्रेम से बैलों की सेवा करते देख उनके कदम फिर रुक गये। बड़ी विनम्रता से उन्होंने फिर वही पुराना सवाल किया- 'आपके कि बाप के?' उत्तर भी तत्काल मिल गया- 'आपके', 'तभी तो'- कहते हुये बाबा आगे बढ़ने लगे पर शंकर ने उनसे कुछ पल रुकने का अनुरोध किया। इस बार उसने बाबा के वाक्य की उपेक्षा नहीं की। विनयपूर्वक उसने बाबा से पूछा- 'वर्षों पहले आप यहाँ से गुजरे थे। तब भी आपने वही प्रश्न किया था जो आज किया है। आपने तक भी 'तभी तो' कहा था और आज भी यही कहा है। मैं आपका प्रश्न ठीक से समझ पाया हूँ और न आपके इस वाक्य को। आप कृपा करके आज स्थिति स्पष्ट कर ही दें। बाबा के होठों में मन्द मुस्कान बिखर गई। उन्होंने कहा- 'देखो, तुम्हें याद है कि उस समय तुम्हारे पास मरियल बैल थे। स्पष्ट था कि उन्हें चारा नहीं दिया जाता था और वह काम करने में असमर्थ थे। तुम निर्दयता पूर्वक उन्हें पीट रहे थे। इसका कारण था कि वह बैल तुम्हें बिना किसी मेहनत के अपने पिता से मुफ्त में मिल गये थे। यही कारण था तुम्हें उन पर बिल्कुल भी दया नहीं आती थी।' कुछ देख रुक कर बाबा फिर बोले- 'इसके विपरीत यह जो बैलों की जोड़ी आज तुम्हारे पास है, यह तुमने कठिन परिश्रम करके अर्जित की है। अतः इनके प्रति तुम्हारे मन में स्वतः ही दया के अंकुर उपज गये हैं। यह कहते हुये महात्मा आगे बढ़ गये।

तराई से लेकर पहाड़ तक बढ़ने लगे चुनावी रंग-ढंग

-रुद्रपुर में ठुकराल कांग्रेस से तो मीना शर्मा भाजपा से जुट चुके हैं अपने अभियान में
-गदरपुर में अरविन्द पाण्डे तो घिर चुके हैं, उनके खिलाफ मोर्चा चारों ओर से
-किच्छा में राजेश शुक्ला अपना मौका बनाने की जुगत में लगे हैं
-कपकोट में टिकट के लिये जोर मार रहे नेता, हरदा-भगतदा की ओर निगाहें
-रानीखेत सीट भी कम रोचक नहीं है

विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर तराई से लेकर पहाड़ तक चुनावी रंग-ढंग बढ़ने लगा है। बीजेपी की ओर से साफ दिखाई दे रहा है कि अगला चुनाव पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लड़ा जाना है। पार्टी सभी सीटों पर मजबूत दावेदारों को उतारने का फार्मूला बना रही है जबकि अड़पेच लगाने वालों को निशाने पर लिया जा रहा है। तराई में चल रहे तीखे सम्वादों के बीच यह भी स्पष्ट है कि चुनाव तक इधर-उधर होने से नेताओं के कारण समीकरणों में प्रभाव होगा।

इस समय सबसे ज्यादा आमना-सामना रुद्रपुर सीट पर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस में शामिल हो चुके भाजपा के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल अपने प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। अपने को हर तरह से पाकसाफ बताने वाले ठुकराल की गिनती दबंग नेताओं की रही है। इनके कांग्रेस में शामिल होने से नाराज पूर्व पालिकाध्यक्ष एवं कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने पार्टी छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया और वह अपने प्रचार में निकल पड़ी हैं। विधायक शिव अरोरा के साथ उन्होंने रोड शो तक कर डाला। ऐसे में दिखाई दे रहा है कि 2027 के चुनाव में राजकुमार और शिव अरोरा के बीच घमासान के साथ ही एक-दूसरे की पोल-पट्टी खूब खुलने वाली है।

गदरपुर के विधायक अरविन्द पाण्डे अपनी बयानबाजी में फंसते जा रहे हैं। भाजपा के साथ की बात करते हुए भी सीएम धामी पर निशाना लगाने वाले अरविन्द पाण्डे की कांग्रेस से मुलाकात और उनकी पार्टी में विरोध यानी उनके खिलाफ चारों ओर मोर्चा खुल चुका है। ऐसे में गदरपुर चुनाव कम रोचक नहीं है। लगे हाथों मौका तलाश रहे किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने भी अरविन्द पाण्डे बरसते हुए सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। उनका मुकाबला कांग्रेस के तिलकराज बेहड़ से होना है। इसी प्रकार सितारगंज में कांग्रेस की ओर से नवजोत सिंह टिकट के लिये जोर लगा रहे हैं लेकिन जिस प्रकार से नारायण पाल ने कांग्रेस की दामन थामा और प्रचार शुरु कर दिया है उसे देख माना जा रहा है कि वह पार्टी के प्रत्याशी बनने जा रहे हैं। भाजपा की ओर से कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को उतारा जाना है। सौरभ लगातार जनसम्पर्क में हैं और उनका कहना है- यह गारन्टी है कि आगामी सरकार भाजपा की ही बनेगी, और यह भी गारन्टी है कि विधायक अपका भाई बनेगा।

तराई में चढ़ रहे राजनीति के रंग के साथ ही पहाड़ में भी रंग गहरा है। कपकोट सीट पर नेताओं की नजर टिकट लेने के लिये हरदा-भगतदा की ओर है। रानीखेत सीट भी कम रोचक होने नहीं जा रही है। कांग्रेस के करन माहरा के सामने भाजपा इस बार किसको अवसर देगी यह देखने की बात है।

लोहाघाट व चम्पावत सीट पर लगातार दांवपेंच

एक-एक वोटर पर नजर है कि वह किस ओर पलटी मार सकते हैं

-मुख्य लड़ाई कांग्रेस-भाजपा के बीच है
-वर्चस्व की लड़ाई में अपनी करनी कर रहे
-लोहाघाट में युवाओं के नये चेहरे प्रचार में आगे दिखाई दे रहे हैं
-चम्पावत में सीएम धामी को देखते चुप्पी साधे हुए हैं कई चेहरे
-प्रदेश की राजनीति में चम्पावत जिले की ओर सबकी नजर रहेगी इस बार

विधानसभा चुनाव 2027 के चल रही जबर्दस्त उधेड़बुन में इस बार सबकी नजर चम्पावत जिले में हैं। प्रदेश की राजनीति में चाहे सीधे हो या घुमाफिरा कर सब जानना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी की विधानसभा सीट का क्या हाल है और चाहकर या ना चाह कर भी कई बड़े नेता इस जिले की परिक्रमा करेंगे।

इस जनपद में दो विधानसभा सीट हैं- लोहाघाट और चम्पावत। मुख्य लड़ाई भाजपा-कांग्रेस के बीच है। अभी के ताजा हालात देखें तो साफ दिखाई दे रहा है कि पार्टी के बीच हो या पार्टी के भीतर अपने वर्चस्व की लड़ाई में लगे हैं नेतागण। चुनाव के समय कौन असली चेहरा होगा यह बाद की बात है लेकिन इस समय तो प्रचार प्रसार में कई नाम लिये जा रहे हैं। लोहाघाट सीट पर युवाओं के नये चेहरे प्रचार में आगे दिखाई दे रहे हैं। इसमें कांग्रेस की ओर से ज्यादा नाम सुनाई दे रहे हैं जबकि भाजपा के भीतर दांवपेंच वाली स्थिति साफ है। चम्पावत सीट में कांग्रेस के पूर्व विधायक होमेश खर्कवाल समेत अन्य भी टिकट की जुगत में हैं लेकिन भाजपा की ओर से सीएम धामी का नाम साफ है जबकि कई चेहरे सीएम की ताकत देखते हुए चुप्पी साध चुके हैं।

दांवपेंच के इन दिनों में इतना तो बहुत साफ दिखाई दे रहा है कि चम्पावत सीट पर कांग्रेस पहले से ज्यादा सतर्क और एकजुट दिख रही है लेकिन भाजपा बलवान बनी हुई है।

गंगोलीहाट-बेरीनाग में दौड़भाग में लगे हैं नेता

-शादी-बारात, रोग-शोक, आयोजन, चारों ओर जाकर अपने दबदबे की बात कर रहे नेता
-सोशल मीडिया में भी अपनी भागमभाग के अलावा बयानबाजी से तर करने की चाह है

सबसे रोचक तो गंगोलीहाट-बेरीनाग सीट पर दिखाई दे रहा है। इस आरक्षित अनु. सीट पर नेतागणों की धुंआधार दौड़ जारी है। शादी-बारात, रोग-शोक, आयोजन, चारों ओर जाकर अपने दबदबे की बात करने वाले नेताओं का मकसद सभी समझ रहे हैं। टिकट मिलने से पहले अपने प्रचार के लिये लगे इन नेताओं ने सोशल मीडिया में भी अपनी भागमभाग के अलावा बयानबाजी से लोगों को तर करने की ठानी है। किसी न किसी बात को लेकर नियमित रूप से सोशल मीडिया में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे नेता शायद मान रहे हैं कि इस प्रकार की सक्रियता से वह अपनी पार्टी से टिकट पा सकते हैं।

नेताओं की दौड़धूप देखकर यह तो सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि अपना माहौल बनाने के लिये यह अभी से बेतहाशा खर्च करने लगे हैं जबकि कुछ नेतागण अभी चुप्पी के साथ अवसर देख रहे हैं। भाजपा की ओर से विधायक फकीर राम टम्टा की दौड़धूप स्वाभाविक है। वह विधायक होने के नाते तो कभी अन्य कारणों से सम्पर्क में हैं। इसके अलावा डॉ.भीम कुमार, भूपाल आर्या, मीना गंगोला, दिनेश आर्या, करम राम, सुरेन्द्र कुमार लगातार चर्चा में हैं। कांग्रेस की ओर खजान गुड्डू, मनोज कुमार ज्यादातर सम्पर्क में दिखाई दे रहे हैं। विधानसभा के गंगोलीहाट, बेरीनाग, गणाईगंगोली, पांखू क्षेत्र के तममा दूरस्थ ग्रामों तक का नेता आ लाड़प्यार बेहद चर्चा में भी है।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

गोविन्द लाल सन्तोष वर्मा
पुराना बाजार थल

डॉ. देवराज सिंह पांगती
सेनि. प्राचार्य
उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड

एम.डी.एम. एजूकेशनल एकेडमी
ककराली गेट, टनकपुर
(चम्पावत)

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
मो. 9458920379
6396098804
YOGA
MEDITATION
HOMELY FOOD
LIVE MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)